पाठ-5

धरपटक और मुँहपटक

आइए सीखें : ● बुद्धि चातुर्य से समस्या हल करना ● कहानी का भावानुसार वाचन ● मुहावरों एवं क्रिया पदों की पहचान ● एकवचन, बहुवचन की समझ ● अनुनासिकता की पहचान।

दो पहलवान थे। एक का नाम था धरपटक, दूसरे का नाम था मुँहपटक। दोनों के गाँव पास-पास थे। धरपटक जहाँ अपने दम-खम से अपने विरोधियों को चारों खाने चित्त कर देता, वहीं मुँहपटक बातों ही बातों में अपनी ताकत को इस ढंग से बताता कि सामने वाला डर कर बिना लड़े ही हार मान जाता। धरपटक को अपने बल का सहारा था तो मुँहपटक को अपनी अकल और बातों का। बातें बनाना तो कोई मुँहपटक से सीखे। लोगों में जितनी चर्चा मुँहपटक की होती धरपटक की उससे आधी भी नहीं। इस बात से चिढ़कर धरपटक ने

शिक्षण-संकेत : ■ बच्चों को यह पाठ लोककथा शैली में हाव-भाव के साथ मजेदार तथा रोचक ढंग से सुनाएँ। ■ बच्चों से इसी प्रकार की अन्य मजेदार कहानियाँ सुनें, जो उन्होंने अपनी दादी, नानी या अन्य परिवारजनों से सुनी हों। ■ प्रयोग द्वारा मुहावरों और क्रियापदों को समझाएँ ।

मुँहपटक को मज़ा चखाने का निश्चय किया।

अगले दिन धरपटक ने अपने अँगोछे में एक मन सत्तू बाँधा और चल पड़ा मुँहपटक के गाँव की ओर। चलते-चलते धरपटक को भूख लगी। रास्ते में एक तालाब को देखकर वह रुक गया। उसने झटपट सत्तू निकाला, पानी मिलाया और एक बड़ा सा गोला बनाकर एक बार में ही गटक लिया। सत्तू खाकर उसने तालाब का पानी पिया और किनारे पर सो गया।

उस तालाब में एक हाथी पानी पीने आता था। पानी पीने के लिए हाथी वहाँ आया तो देखा, तालाब रीता है। पानी की एक बूँद भी नहीं। पास में धरपटक लेटा खर्राटे भर रहा था। हाथी समझ गया कि इसी आदमी ने तालाब का सारा पानी पिया है। गुस्से में हाथी ने धरपटक को सिर से ज़ोरदार टक्कर मारी। धरपटक की नींद टूटी। उसने आव देखा न ताव, झट से हाथी को अपने अंगोछे में पोटली बनाकर बाँध लिया। पास में एक बड़ा सा खजूर का पेड़ था। धरपटक ने उसे उखाड़ा। उसका डंडा जैसा बनाकर अपनी पोटली को लटकाया, कन्धे पर रखा और आगे चल पड़ा।

मुँहपटक का गाँव आया। धरपटक ने उसके घर के सामने पहुँच कर उसे लड़ने के लिए ललकारा। धरपटक ने बहुत ताल ठोकी पर मुँहपटक तो मुँहपटक ही था? वह धरपटक के भड़कने की प्रतीक्षा कर रहा था। धरपटक ने गुस्से में आकर अपनी पोटली खोली और हाथी को निकाल कर मुँहपटक के आँगन में फेंक दिया। मुँहपटक तो जैसे इसी ताक में था। वह अपनी घरवाली से जोर-जोर से बोला ''ओ छोटू की माँ, लगता है किसी चील ने यह चूहा यहाँ गिरा दिया है। जरा झाड़ू से उसे नाली में तो फेंक दे।'' मुँहपटक की घरवाली भी कम बातूनी नहीं थी, बोली - ''ठीक है, पर ये तो बताओ आपकी दस हजार दण्ड बैठकें पूरी हुईं या नहीं?'' मुँहपटक ने कहा- ''बस होने ही वाली हैं । इसके बाद पहाड़ भी तो ठेलना है।''

यह सुनकर धरपटक का पसीना छूट गया। कुछ हिम्मत जुटाकर उसने अपने साथ लाया खजूर का पेड़ मुँहपटक के आँगन में फेंका। यह देखकर मुँहपटक बोला - ''अरे ! यह मेरी दाँत कुरेदने की सींक छोटू ने यहाँ डाल दी है। इसे उठाकर रख दो और खाने के लिए दो मन सत्तू घोल दो।''

अब तो धरपटक को पूरा विश्वास हो गया कि मुँहपटक उससे भी बड़ा पहलवान है। इससे लड़ने पर उसे मुँह की खानी पड़ेगी। उसने वहाँ से चुपचाप भागने में ही अपनी भलाई समझी। इस प्रकार मुँहपटक ने अपनी बातों के बल पर बिना लड़े ही धरपटक को पटकनी दे दी।

लोगों ने बहुत दिनों तक चटखारे ले-लेकर इस बात की चर्चा की।

शब्दार्थ

दमखम	–	शक्ति और दृढ़ता	**विरोधी**	–	शत्रु, बैरी, विरोध करने वाला
ताकत	–	शक्ति, बल	**ताल ठोंकना**	–	लड़ने के लिए तैयार होना
रीता	–	खाली	**भड़कना**	–	क्रोधित होना
अंगोछा	–	तौलिया	**प्रतीक्षा**	–	इन्तजार, राह देखना
मुँह की खाना	–	हार मानना	**पटकनी देना**	–	पछाड़ना
चटखारे लेना	–	मजे लेना	**चारों खाने चित्त होना**	–	हारना, परास्त होना
पसीना छूटना	–	घबरा जाना	**मन**	–	चालीस किलो वजन
दण्ड बैठक	–	एक प्रकार का व्यायाम	**ठेलना**	–	खिसकाना, धकेलना

अभ्यास

बोध प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) दोनों पहलवानों के नाम बताइए ?

(ख) धरपटक और मुँहपटक की क्या विशेषता थी ?

(ग) तालाब का सारा पानी कौन पी गया था?

(घ) धरपटक ने मुँहपटक के आँगन में क्या फेंका?

2. किसने किससे कहा ?

किसने कहा	कथन	किससे कहा
(क)	"ओ छोटू की माँ, लगता है किसी चील ने यह चूहा यहाँ गिरा दिया है।"	
(ख)	"ठीक है, पर ये तो बताओ आप की दस हजार दण्ड बैठकें पूरी हुईं या नहीं।"	

3. खाली स्थान भरिए-

(टक्कर, मुँह, मुँहपटक, हाथी, चटखारे, पहाड़, मजा चखाने)

(अ) धरपटक ने -------- को -------- का निश्चय किया।

(ब) गुस्से में ------- ने धरपटक को सर की जोरदार ------ मारी।

(स) इसके बाद ------- भी तो ठेलना है।

(द) इससे लड़ने पर उसे ---------- की खानी पड़ेगी।

(इ) लोगों ने बहुत दिनों तक ----- ले-लेकर इस बात की चर्चा की।

भाषा अध्ययन

1. सही जोड़ी बनाइए

चारों खाने चित्त करना	-	घबरा जाना
पसीना छूटना	-	बिना सोचे-विचारे काम करना
चटखारे लेना	-	परास्त कर देना
आव देखा न ताव	-	मजे लेना

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए-

हाथी ने गन्ने खाए।

हाथियों ने गन्ने खाए।

क. तालाब में पानी भरा है।

.....

ख. चूहे ने कपड़े कुतरे।

.....

ग. पहलवान ने कुश्ती लड़ी।

.....

घ. पोटली में सत्तू बँधा है।

.....

3. वाक्य पढ़िए और रेखांकित शब्दों का सही अर्थ चुनिए -

क. धरपटक ने अपने अँगोछे में एक मन सत्तू बाँधा।

(अ) दिल (आ) दिमाग (इ) 40 सेर वजन

ख. हाथी ने देखा तालाब रीता है।

(अ) लड़की का नाम (आ) लड़ने के लिए ललकारना

(इ) खाली

ग. धरपटक ने बहुत ताल ठोकी।

(अ) ताली बजाना (आ) लड़ने के लिए ललकारना

(इ) तलना

घ. आपकी दस हजार दण्ड बैठकें पूरी हुई या नही।

(अ) सजा (आ) व्यायाम के लिए उठना-बैठना

(इ) लकड़ी

4. शब्दों में चंद्र (ँ) बिन्दु लगाकर वाक्य बनाइए –

मुह पटक	–	मुँहपटक	मुँहपटक बहुत बोलता था।
बाधा	–	-------	----------
वहा	–	-------	----------
बूद	–	-------	----------
आगन	–	-------	----------
मा	–	-------	----------
यहा	–	-------	----------
दात	–	-------	----------

योग्यता विस्तार

- पाठ में दी गई कहानी को अपने शब्दों में सुनाइए।
- आपस में चर्चा कीजिए।
  1. क्या पहलवानों के काम उनके नाम के अनुसार ठीक थे?
  2. दोनों पहलवानों में से तुम्हें कौन अच्छा लगा और क्यों?
  3. यदि धरपटक की जगह तुम होते तो क्या करते ?
- बुद्धि चातुर्य की अन्य कहानियाँ खोजकर सुनाइए।

रचना – वर्ग पहेली में से शरीर के 10 अंगों के नाम खोज कर लिखिए–

मुँ	पै	ल	का	न
ह	बा	र	ना	हा
अँ	ना	क	खू	थ
गू	पै	ख	न	श
ठा	आँ	अँ	गु	ली

1. पैर ---------- 2. ----------

3. ---------- 4. ----------

5. ---------- 6. ----------

7. ---------- 8. ----------

9. ---------- 10. ----------

◆ हाथी का चित्र बनाकर रंग भरिए।